200 करोड़ रुपए से बनेगा जयपुर में राज्य का पहला कोचिंग हब : कोटा सहित अन्य शहरों में भी बनेंगे

शहर के सभी कोचिंग सेंटर होंगे एक जगह, तैयारी शुरू

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. कोचिंग के लिए आने वाले छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल देने के लिए राज्य का पहला कोचिंग हब राजधानी में बनेगा।

इसके लिए राजस्थान आवासन मंडल करीब 200 करोड़ रुपए खर्च करेगा। प्रताप नगर के सेक्टर-16 में इसका निर्माण किया जाएगा। मंडल के अधिकारियों की मानें तो जयपुर के बाद कोटा सहित अन्य शहरों में भी इस तरह के कोचिंग हब बनाए जाएंगे।

इसके लिए मण्डल की 10 जून को बोर्ड बैठक बुलाई गई है, जिसमें डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) अनुमोदन के लिए पेश की जाएगी। अनुमोदन होने के एक माह के भीतर योजना का काम धरातल पर दिखना शुरू हो जाएगा। यहां पौधारोपण भी इसी सीजन से शुरू कराया जाएगा। इस कोचिंग हब की घोषणा राज्य बजट में की गई थी।

क्या होगा फायदा

- राजधानी में दूसरे शहरों से करीब दो लाख छात्र-छात्राएं कोचिंग के लिए आते हैं। यहां करीब 150 से अधिक बड़े कोचिंग सेंटर हैं। इन सभी को एक कैम्पस में लाने के लिए यह योजना बनाई गई है।
- अभी शहर में गोपालपुरा बायपास और जगतपुरा के अलावा अन्य जगहों पर कोचिंग सेंटर हैं। इन सभी कोचिंग सेंटर को एक ही जगह पर व्यवस्थित किया जाएगा।

67 हजार वर्ग मीटर में विकसित किया जा रहा है कोचिंग हब

550-14,000 वर्ग फीट में बनेंगी कोचिंग क्लास

02 भवनों के बीच एक खुला प्लाजा भी बनेगा

700 व्यक्तियों के बैठने के लिए ऑडिटोरियम का निर्माण

स्वास्थ्य पर भी दिया जाएगा ध्यान

कोचिंग हब में न सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दिया जाएगा, बल्कि स्वास्थ्य का भी पूरा ख्याल रखा जाएगा। तीन किमी लंबा जॉगिंग ट्रैक, बास्केटबॉल कोर्ट, टेनिस कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट, योगा और ओपन जिम की सुविधाएं भी मिलेंगी।

फ्री वाई फाई, फाउंटेन प्लाजा, तीन किमी लम्बा साइकिल ट्रैक

2400 वर्ग मीटर में 300 लोगों के लिए चौपाटी बनेगी

वाहनों की 'नो एंट्री'

जो डीपीआर तैयार हुई है, उसमें वाहनों की कैम्पस में नो एंट्री रहेगी। वाहनों के लिए बाहर नौ मीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा। इसी के दोनों और चार पहिया और दुपहिया वाहन खड़े होंगे।

डीपीआर तैयार हो गई है। 10 जून को बोर्ड बैठक है। इसमें कोचिंग हब की डीपीआर अनुमोदन के लिए पेश की जाएगी। अनुमोदन होने के बाद जल्द ही काम होगा। - **पवन अरोड़ा,** आयुक्त राजस्थान आवासन मंडल